

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,  
वी0आई0पी0 हंगर, जौलीग्राण्ट एअरपोर्ट,  
देहरादून, उत्तराखण्ड।

परिवहन एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 20 फरवरी, 2009

विषय:- जनपद देहरादून के भानियावाला-थानों-रायपुर मार्ग से जौलीग्राण्ट एअरपोर्ट के टर्मिनल भवन तक चार लेन मार्ग के प्रारम्भिक आगणन की वर्ष 2008-09 में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय

उपरोक्त विषयक जिलाधिकारी देहरादून के पत्र संख्या-2858/आ0ले0-08 दिनांक 22 जनवरी 2009 तथा मुख्य अभियन्ता ग0 क्षे0 लो0नि0वि0 पौड़ी के पत्र संख्या-221/याता0-पर्व0/08 दिनांक 31-10-08 तथा विमानपत्तन नियंत्रक देहरादून के पत्र संख्या-ए0ए0आई0/डी0एन0/ए0पी0सी0/सुरक्षा/1565-66 दिनांक 21-11-2008 के कम में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून के भानियावाला-थानों-रायपुर मार्ग से जौलीग्राण्ट एअरपोर्ट के टर्मिनल भवन तक चार लेन मार्ग निर्माण भूमि अध्यापित एवं एन0पी0वी0 आदि के प्राविधान सहित एकमुश्त धनराशि हेतु अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि, ऋषिकेश के द्वारा गठित आगणन रू0 145.00 लाख (रू0 एक करोड़ पैंतालीस लाख मात्र) के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रूपये 137.42 लाख (रू0 एक करोड़ सैंतीस लाख बयालीस हजार मात्र) की लागत के आगणनों (प्रतिलिपि संलग्न हैं) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 में इतनी ही धनराशि को निर्वर्तन पर रखी गई धनराशि में से व्यय की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं - :

- 1- उक्त धनराशि की आहरण की अलग से स्वीकृति प्रदान नहीं की जा रही है। बल्कि इस धनराशि का व्यय हेतु आहरण शासनादेश संख्या-252/77/ix/2008/स0ना0उ0 दिनांक 22 मई 2008 द्वारा आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि से ही किया जायेगा। उसकी पृथक से व्यय की स्वीकृति नहीं दी जा रही है।
- 2- उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 30.05.08 के कम में प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन की अध्यक्षता में दिनांक 10.02.09 को हुई बैठक के अनुसार कार्यवाही का अनुपालन किया जाना सुनिश्चित करें।
- 3- उक्त धनराशि अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड लो0नि0वि, ऋषिकेश को रेखांकित बैंक ड्राफ्ट अथवा कोषागार बैंक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी। निर्माण कार्य कराते समय नियमानुसार स्टोर चर्जेज नियमों का ध्यान रखा जाय।

कमश:.....

- 3- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- 4- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितनी राशि स्वीकृति की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 6- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।
- 7- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 8- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भू-भौतिक निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए, तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 9- निर्माण सामग्री को उपयोग में जाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए एवं इस संबंध में पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्येस नियमों का पालन कड़ाई से किया जाए।
- 10- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/Xiv-291(2006) दिनांक 30-5-06 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने के कर्तव्य करें।
- 11- जी0पी0डब्लू फार्म-09 की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण ईकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 12- इस सम्बन्ध में व्यय विवरण तथा आवश्यक वाउचर आदि सुरक्षित रखे जायेंगे।
- 13- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल तथा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियम निर्देशों तथा अस्थाई आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति हो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 14- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद का दूसरी मद में कदापि व्यय न किया जाय।
- 15- धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययता सम्बन्धी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 16- स्वीकृति की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर उसकी भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की सूचना निर्धारित प्रपत्र पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। उक्त धनराशि का दिनांक 31-3-09 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा यदि दिनांक 31-3-09 तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
- 17- कार्य के निर्माण के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक 5-4-04 का अनुपालन किया जायेगा।



- 18- कार्य अनुमोदित आगणन की सीमान्तर्गत की करायी जाय किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणन/अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
- 19- कार्यदायी संस्था/ईकाई द्वारा निर्दिष्ट मुदों/कार्यों के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की मद को परिवर्तित नहीं किया जायेगा।
- 20- कार्यदायी संस्था को आवंटित कार्य को निश्चित समय सीमा में पूर्ण कराया जाना होगा कार्य की गुणवत्ता में कमी, कार्यों में शिथिलता एवं समयबद्धता के लिये सम्बन्धित निर्माण ईकाई पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूँजीगत परियोजना-02-विमानपत्तन-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-04-हवाई पट्टी का सुदृढीकरण एवं अन्य सम्बद्ध निर्माण कार्य -00-24 वृहद निर्माण की मद के नामों डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1160/XXVII(2)/2009, दिनांक 19 फरवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव।

संख्या- 60/IX /11.3/2008 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड (आडिट) वेमव पैलेस सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (ए एण्ड ई) उत्तराखण्ड (ए एण्ड ई) ओबेराय, मोटर्स, बिल्डिंग सहायनपुर रोड माजरा देहरादून।
- 3- सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- आयुक्त, गढ़वाल, मण्डल, पौड़ी।
- 5- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 6- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 7- मुख्य अभियन्ता, (प्रथम) लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
- 8- मुख्य अभियन्ता, (ग०क्ष०) लोक निर्माण विभाग, पौड़ी।
- 9- अधीक्षण अभियन्ता, नवम वृत्त लो०नि०वि० देहरादून।
- 10- अधीक्षारी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो०नि०वि० ऋषिकेश (देहरादून)।
- 11- एयरपोर्ट आफिसर, जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून।
- 12- वित्त अनुभाग-2
- 13- गार्ड फाईल।
- ✓ एन०आई०सी० सचिवालय परिसर देहरादून।

आज्ञा से,

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव।